सीरी ने बनाए ग्रीन क्रैकर्स, अगली दिवाली तक आएंगे

बैटरी ऑपरेटेड होंगे पटाखे, कर सकेंगे 'साउंड' कंट्रोल

पॉल्यूशन कम करने वाले इंडियन क्रैकर्स हुए इजाद

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ◆ कैसा हो यदि पटाखे सेफ, पॉल्यूशन फ्री हों और उनका रोमांच भी बना रहे। जी हां, अगली दिवाली तक संभवतया ऐसा ही होगा। सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीरी) पिलानी की ग्रीन क्रैकर्स को लेकर की गई रिसर्च ये सपना साकार करेगी। सीरी ने बैटरी ऑपरेटेड पटाखे ईजाद किए हैं। जिनसे जीरो पॉल्यूशन होगा। इसके अलावा साउंड का लेवल कम या ज्यादा भी किया जा सकेगा। ये पटाखे मौजूदा क्रैकर्स से थोड़े अलग होंगे।

सीरी के साइंटिस्ट अंकुश जैन का कहना है कि केन्द्रीय मंत्री डॉ.हर्षवर्धन ने छह महीने पहले हमें चैलेंज किया था कि क्या साइंस के क्षेत्र में काम कर रहे अग्रणी संस्थान पॉल्यूशन कम करने वाले इंडियन क्रैकर्स ईजाद कर सकते हैं। हमने उसी दिन से इसे मिशन की तरह लिया और छह महीने में इलेक्ट्रॉनिक क्रैकर्स तैयार कर दिखाए। ई क्रैकर्स में डिफरेंट वैरायटीज होंगी। फिलहाल तीन तरीके के क्रैकर्स बनाए हैं। इसमें ई-लड़ी, ई अनार और ई चकरी बनाए गए हैं। इसकी खासियत यह है कि ये सालोंसाल चलेंगे। साथ ही ऑरिजनल पटाखों को चलाने का फील भी कमजोर नहीं होगा, क्योंकि हमने इसमें थर्मल सिमुलेशन भी इंट्रोड्यूस किया है। जिससे इन पटाखों के पास में मोमबत्ती या कोई फुलझड़ी लेकर जाने पर ये जल उठेंगे। इन्हें इस तरह डिजाइन किया है कि इसमें लगे एलईडी मौजूदा पटाखों जैसा ही रोमांच पैदा करेंगे। इसके लिए ऑप्टिकल फाइबर के साथ एलईडीज की प्रोग्रामिंग की गई है। जिससे यह इफेक्ट जनरेट होगा।

चाइनीज से सस्ता

अंकुश के मुताबिक, दिल्ली के मार्केट में चाइनीज इलेक्ट्रॉनिक पटाखों ने दस्तक दे दी है, लेकिन ये उतने इफेक्टिव नहीं हैं। ये स्विच में लगाए जाने के बाद बार-बार आवाज करते हैं, लेकिन हमारे पटाखे काफी अलग और रोमांच से भरपूर हैं। जहां चाइनीज पटाखे 1500 रुपए तक में अवेलेबल हैं। वहीं हमारी लैब में ही इसकी कॉस्ट एक हजार रुपए तक है, यदि इंडस्ट्री लार्ज स्केल पर इसका प्रोडक्शन करती है तो हर पटाखे की कॉस्ट 300 से 400 ही रह जाएगी। हम इंडस्ट्री के इनिशिएटिव का ही इंतजार कर रहे हैं। सीरी

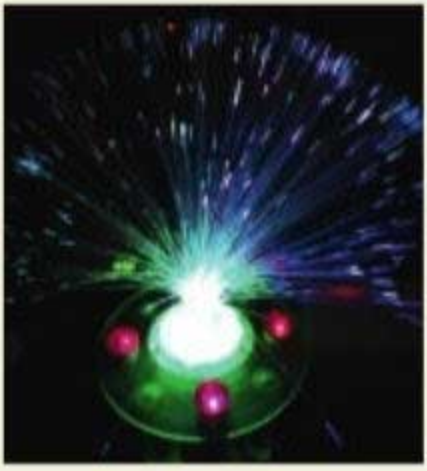

जयपुर केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ.राम प्रकाश ने बताया कि इन पटाखों को मार्केट तक लाने के लिए अगली दिवाली तक का टार्गेट रखा गया है।